हाइब्रिड गमोसा

हाल ही में **बांग्ला साहित्य सभा, असम (BSSA)** ने एक समारोह में मेहमानों को **असमिया गमोचा और बंगाली गमछों** से बने **"हाइब्रिड गमोसा"** से सम्मानित किया। इस पर विवाद बढ़ने के बाद संगठन ने माफीनामा जारी किया।

- BSSA एक **नवगठित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सभा** है जिसका **उद्देश्य असम के बंगालियों को एक मंच** प्रदान करना है।

असमिया गमोचा:

- **परिचय:**
  - असमिया गमोचा एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ सूती तौलिया है, जो असमिया संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है।
  - यह **कपड़े का एक आयताकार टुकड़ा है**। यह **विभिन्न रंगों एवं डिज़ाइनों से बनता है** जिसमें **सबसे लोकप्रिय लाल एवं सफेद फुलम वाले तौलिया हैं जिन्हें 'गमोचा डिज़ाइन'** के रूप में जाना जाता है।
  - 'गमोचा' शब्द असमिया शब्द **'गा' (शरीर) एवं 'मोचा' (पोंछ) से बना है** , जिसका अर्थ है **शरीर को पोंछने के लिये तौलिया।** बुनकर तौलिया बुनने के लिये एक पारंपरिक करघे का इस्तेमाल करते हैं जिसे **'टाट जाल' (Taat Xaal)** कहा जाता है।
- **मान्यता:**
  - असमिया गमोचा ने अपने अद्वितीय डिज़ाइन तथा सांस्कृतिक महत्त्व के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। इसे **भौगोलिक संकेत (GI) टैग** दिया गया था, जो इसकी उत्पत्ति एवं अनूठी विशेषताओं की पहचान है।
  - GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि गमोचा नकल से सुरक्षित है और स्थानीय बुनकरों तथा उनकी पारंपरिक बुनाई तकनीकों को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
  - असमिया गमोचा **असमिया संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक** है। इस तौलिये का उपयोग दैनिक जीवन में विभिन्न तरीकों से किया जाता है और प्रत्येक उपयोग का एक विशिष्ट सांस्कृतिक महत्त्व होता है।
    - यह **पारंपरिक समारोहों और कार्यों के दौरान महिलाओं द्वारा स्कार्फ** के रूप में उपयोग किया जाता है, साथ ही यह**सम्मान एवं प्रतिष्ठा का प्रतीक है जिसे किसी को उपहार के रूप में दिया जाता है।**
    - गमोचा का उपयोग **बिहू उत्सव** के दौरान भी किया जाता है, जो असम का सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहार है। यह**बिहू नर्तकियों द्वारा गले में लपेटा जाता है** जो उनकी पोशाक का एक अनिवार्य हिस्सा है। बिहू उत्सव के दौरान एकता एवं भाईचारे के प्रतीक के रूप में भी गमोचा का उपयोग किया जाता है।

//

बंगाली गमछा:

- बंगाली गमछा पारंपरिक रूप से हाथ से बुना हुआ सूती गमछा/तौलिया है जो असमिया संस्कृति और परंपरा का एक अभिन्न अंग है। यह कपड़े का एक **आयताकार टुकड़ा होता है। यह लाल एवं सफेद चौकोर प्रतिरूप में होता है।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत में माल के भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 को निम्नलिखित में से किससे संबंधित दायित्वों के अनुपालन के लिये लागू किया गया? (2018)

(a) आई.एल.ओ.
(b) आई.एम.एफ.
(c) यू.एन.सी.टी.ए.डी.
(d) डब्लू.टी.ओ.

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भौगोलिक संकेत एक प्रकार की बौद्धकि संपदा हैं।
- भौगोलिक संकेत (Geographical Indications- GI) एक प्रकार की बौद्धिक संपदा (Intellectual Property- IP) हैं। विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organisation- WTO), बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार से संबंधित पहलू (Trade Related Aspects of Intellectual Property Rights- TRIPS) समझौते के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों को मान्यता देता है।
- TRIPS समझौते के अनुच्छेद 22(1) के तहत GI टैग ऐसे कृषि, प्राकृतिक या निर्मित उत्पाद की गुणवत्ता और विशिष्टता का आश्वासन देता है, जो एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में उत्पन्न होता है तथा जिसके कारण इसमें अद्वितीय विशेषताओं एवं गुणों का समावेश होता है।
- GI स्रोत पहचानकर्त्ता के साथ-साथ गुणवत्ता संकेतक के रूप में भी कार्य करते हैं। GI के चलते उपभोक्ताओं को जानकारी मिलती है कि इन उत्पादों की निर्दिष्ट गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या माल की अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उनके भौगोलिक मूल के कारण होती है।
- इसके अलावा बौद्धिक संपदा अधिकारों के रूप में GI उल्लंघन और/या अनुचित प्रतिस्पर्द्धा से राहत प्रदान करता है। Z ट्रिप्स समझौते के बाद भारत सरकार द्वारा भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 पारित किया गया था। अधिनियम का उद्देश्य कृषि वस्तुओं, प्राकृतिक वस्तुओं, निर्मित वस्तुओं या हस्तकला के किसी भी सामान या खाद्य सामग्री सहित उद्योग के सामान को जीआइ टैग देकर सुरक्षा प्रदान करना है।

अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

प्रश्न. निम्नलिखित में से किसको/किनको 'भौगोलिक सूचना' (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) की स्थिति प्रदान की गई है? (2015)

1. बनारसी जरी और साड़ियाँ
2. राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा
3. तिरुपति लड्डू

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hybrid-gamosas